वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 49 | गुरुवार 13 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल मिश्र विश्व की सबसे ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पहुंचे

राज्यपाल ने कहा, राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए प्रेरित करती है लौह पुरुष पटेल की प्रतिमा

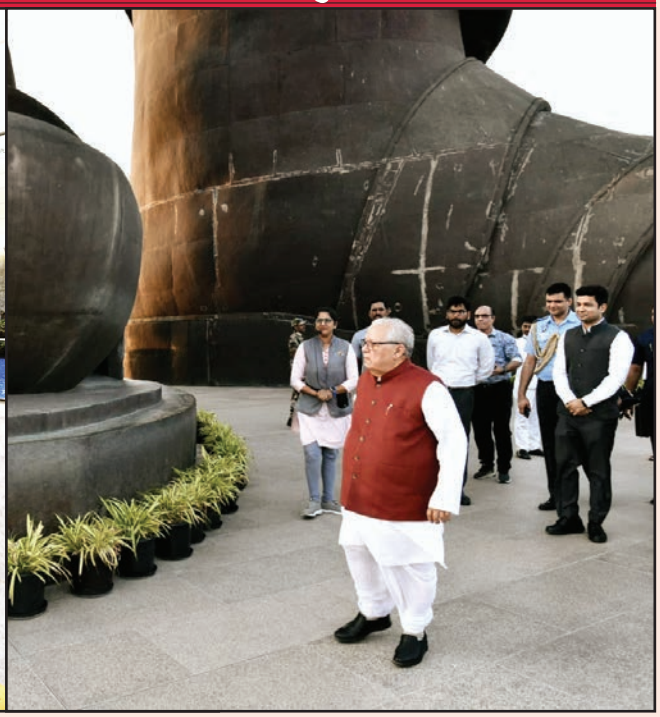

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल कलराज मिश्र बुधवार को गुजरात के केवड़िया में नर्मदा नदी पर स्थित विश्व की सबसे ऊंची ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी'' पहुंचे। उन्होंने वहां नर्मदा के साधु द्वीप पर स्थित 182 मीटर की ऊंचाई वाली सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन करते हुए अपनी श्रद्धा अर्पित की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के अग्रदूत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की समृति को अक्षुण रखने भारत सरकार ने यह महती पहल की है। मिश्र ने विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच खूबसूरत हरियाली और मनमोहक नजारों में दुनिया की सबसे बड़ी इस प्रतिमा को पर्यटन की दृष्टि से भी नायाब बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए प्रेरित करती लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा एक भारत, श्रेष्ठ भारत का अनूपम उदाहरण है। राज्यपाल ने बाद में सरदार सरोवर बांध भी देखा। राज्यपाल के प्रतिमा स्थल पहुंचने पर ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट एंड टूरिज्म गवर्नेंस अथॉरिटी'' एकता नगर के अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। अधिकारियों ने उन्हें इस दौरान दुनिया की सबसे विशाल प्रतिमा निर्माण के विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल को ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट एंड टूरिज्म गवर्नेंस अथॉरिटी'' द्वारा सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा का प्रतिरूप और इससे संबद्ध पुस्तक भेंट की गई।

वडोदरा में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की संचालन समिति और कार्यकारी समिति की वार्षिक बैठक आयोजित

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र द्वारा इस वर्ष 156 की बजाय होंगे 200 कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा राजस्थान सहित सदस्य राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा तथा केन्द्र शासित प्रदेश दमण, दीव तथा दादरा नगर हवेली में कला और कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए अधिकाधिक कार्यक्रम किए जाने के निर्देश दिए। राज्यपाल के निर्देश पर अब 156 के स्थान पर 200 से अधिक कार्यक्रम केंद्र करवाएगा। केंद्र की संचालन समिति की बैठक में यह निर्णय किया गया। राज्यपाल ने ग्रामीण कलाकारों को अधिकाधिक अवसर प्रदान करने और स्थानीय कलाओं, धरोहर के संरक्षण के लिए भी कार्य करने की आवश्यकता जताई। बैठक में राज्यपाल ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विभिन्न कला श्रेणियों के अंतर्गत कलाकारों के प्रस्तुति के निर्धारित शुल्क में बढ़ोतरी के प्रस्तावित निर्णय की सराहना की। इसके अंतर्गत दृश्य कलाओं को भी सम्मिलित करने का सुझाव दिया गया। राज्यपाल मिश्र के निर्देश पर इस संबंध में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भिजवाया जाएगा। बैठक में राज्यपाल के निर्देश पर यह भी निर्णय लिया गया कि राजस्थान की विरासत और कलाओं से आम जन को जोड़ने के लिए शिल्पग्राम और बागोर की हवेली संग्रहालय में वयस्क और बच्चों लिए निर्धारित शुल्क में एकरूपता करते हुए अधिकाधिक लोगों के वहां आने को प्रोत्साहित किया जाएगा।

हस्तशिल्प और हुनर से जुड़े ग्रामीण कलाकारों की कला को बाजार मिले: राज्यपाल मिश्र

VJC ओपन माइक लीग 'वूमेन स्पेशल' का पोस्टर लॉन्च-20 जून को होगा प्रोग्राम

जयपुर

विनीत जैन क्रिएशन्स (VJC) राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के सहयोग से VJC ओपन माइक लीग **'वूमेन स्पेशल'** एक क्रिएटिविटी और सशक्तिकरण का प्रतीक कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इस प्रोग्राम के पोस्टर का विमोचन सहकार मार्ग स्थित राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश कार्यालय पर किया गया। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा,विनीत जैन चांदवाड, प्रोग्राम कोर्डिनेटर मृदुला पाटनी, नीतू जैन मुल्तान, प्रेरणा चंदीरानी, आकांशा मीना सहित बडी संख्या में समाजसेवी लोग उपस्थित थे। । राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि राजस्थान जैन युवा महासभा के सहयोग से यह कार्यक्रम 20 जून को दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक टौक रोड पर अपेक्स मॉल के कोड ब्लैक रेस्टोरेंट में और 4 जुलाई को जे एल एन मार्ग पर रॉयल जयपुर रेस्टोरेंट में आयोजित किया जायेगा। सूत्रधार विनीत जैन चांदवाड एवं कोर्डिनेटर मृदला पाटनी ने बताया कि यह बस एक इवेंट नहीं है; यह सशक्तिकरण 'वूमेन एंपावरमेंट' की दिशा में एक कदम है। यह पहल महिलाओं के लिए क्रिएटिव पहल है, जिसमें गृहिणियों और कामकाजी महिलाएं सहित सभी क्षेत्रों की महिलाओं को उनकी गायन, कविता, स्टोरी टेलिंग, संगीत, और स्टैंड-अप कॉमेडी जैसे छुपी हुई प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने के लिए समय निकालने का प्रेरणा देता है।कोर्डीनेटर नीतू जैन मुल्तान ने बताया कि केवल मंच प्रदान करने से अधिक, लीग समर्थन और प्रोत्साहन के वातावरण का निर्माण करने का उद्देश्य है, जहां महिलाएं स्वतंत्रता से अपने आत्मा और कला को व्यक्त कर सकती हैं और अपनी अनोखी क्षमताओं के लिए प्रशंसा पा सकती हैं। यह समाज की नियमों को पुनः परिभाषित करने के बारे में है।कोर्डिनेटर प्रेरणा चंदरानी के मुताबिक प्रोग्राम में युवतियों एवं महिलाओं के रजिस्ट्रेशन के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं रखी गई है। प्रोग्राम में सिंगिग, बीट बाक्सिंग, रेपिंग, इंस्ट्रूमेंटल, मिमिक्री, स्टेन्ड अप, कॉमेडी, पॉयट्री, स्टोरी टेलिंग की कैटेगरी रखी गई है। अधिक जानकारी के लिए 98284 53502 पर सम्पर्क किया जा सकता है। प्रतिभागियों को ₹11,000 की नकद पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा, लेकिन असली इनाम स्वाधीनता और पहचान के माध्यम से प्राप्त होने वाले एंपावरमेंट में है। कोर्डिनेटर आकांशा मीना के मुताबिक महिलाओं की प्रतिभाओं को स्पष्ट करके, लीग दूसरों को प्रेरित करने का उद्देश्य है, एक संस्कृति को बढ़ावा देना जहां हर महिला को अपने सपनों को पूरा करने के लिए सशक्त महसूस हो। संगीत, मनोरंजन और सशक्तिकरण का एक मजेदार मिश्रण के साथ, VJC ओपन माइक लीग 'वूमेन एंपावरमेंट' एक अविस्मरणीय समारोह का वादा करता है, महिला शक्ति, प्रतिरोध और क्रिएटिविटी का एक प्रमाण—हर जगह की महिलाओं की दृढ़ आत्मा का प्रतिष्ठान इसका उद्देश्य है।

बापू नगर में हुआ भव्य योग दिवस का शुभारम्भ

शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और अध्यात्मिक विकास में सहायक है योग

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग द्वारा उमरावमल संघी की अध्यक्षता में आज से योग दिवस जो कि 21 जून को है उसका शुभारम्भ आज पार्श्वनाथ पार्क, गणेश मार्ग बापू नगर में हुआ। भगवान पार्श्वनाथ के चित्र के समक्ष योग प्रशिक्षक लक्ष्मीचन्द जैन, उमरावमल संघी, रमेश बोहरा, राजकुमार सेठी, मनोज झांझरी, संजय पाटनी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर अध्यक्ष उमरावमल संघी ने कहाँ कि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और अध्यात्मिक विकास में सहायक है योग। योग हमारे संस्कृति का अहम हिस्सा है। शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने के लिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है। यह केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक तौर पर भी कई फायदे पहुंचाता है। यह तनाव और चिंता को भी दूर करने में मदद करता है। बापू नगर में आगामी 21 जून तक नियमिति रुप से प्रातः 6.00 बजे से 7.15 बजे तक योग प्रशिक्षक लक्ष्मीचन्द जैन द्वारा योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिससे लोगों में योग दिवस की महत्व को बल मिलेगा। संचालन मनीष बैद ने किया। संयोजक के रुप में राकेश संघी, रोहित कटारिया, संजय पाटनी निर्मल झांझरी, श्रीमती शीला पाटनी, श्रीमती ममता पाटनी को जोड़ा गया है। कार्यक्रम से पूर्व उमरावमल संघी परिवार द्वारा योग प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले महानुभावों को योग मेट और पैड व पैन नियमिति टीप्स लिखने के लिए उपलब्ध करावाए गए।

शान्ति नगर सर्वोदय विद्यासागर पाठशाला समर कैंप का हुआ समापन

बच्चों को संस्कारित बनाने में पाठशाला मिल का पत्थर : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

पाठशाला को संस्कारों की जननी कहा जाता है वाल्य अवस्था में ही पाठशाला के नन्हे मुन्ने बच्चे धर्म संस्कृति संस्कारों की शिक्षा सहज रूप से प्राप्त करते रहते हैं यही सहज संस्कार भारत के भविष्य समझें जाने वाले वच्चो में बड़े होकर परिलक्षित होते हैं परम पूज्य मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज कहते हैं कि मन्दिर के साथ पाठशाला नवीन तीर्थ के साथ चिकित्सा या विद्यालय अवश्यक कर दिया है आज जो शान्ति नगर पाठशाला और खासकर आकाश जी के कार्य की जैन पंचायत कमेटी हृदय भाव से प्रसंशा करती है उक्त आश्य केउद्गार जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने श्री शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीस शांति नगरश्री सर्वोदय विद्यासागर पाठशाला शान्ति नगर के समर कैंप का समापन पुरूस्कार वितरण व सम्मान समारोह के दौरान व्यक्त किए।

आचार्य श्री के चित्र के समक्ष किया दीप प्रज्जवलन: इसके पहले समारोह के प्रारंभ में आचार्य श्री के चित्र समक्ष दीप प्रज्जवलन कमेटी के महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई पाठशाला संयोजक आकाश जैन किया चित्र अनावरण सांगानेर संस्थान से पधारे भइया जी द्वारा किया गया। दस दिवसीय समर कैंप में क्रिकेट,फुटबाल, खो खो,बास्केटबॉल का प्रशिक्षण सिटी पब्लिक स्कूल ग्राउंड में स्पोर्ट्स टीचर साक्षी जैन, सचिन सर के कुशल नेतृत्व मे दिया गया। समारोह के दौरान जैन पंचायत कमेटी द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप सभी बच्चों को आकर्षक पुरुस्कार तथा विजयी टीम के सभी सदस्यों को मेडल पहनाए गए। इसके साथ ही जैन भवन मे आयोजित समापन समारोह मे सांस्कृतिक गतिविधि हार्मोनियम, ढोलक/तबला,बांसुरी, लिप्पन आर्ट,नृत्य, वैदिक गणित)के विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा दिए गए बच्चों को प्रशिक्षण का डेमो प्रस्तुतियां दी गई इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया की जीवन संगनी के साथ ही सांगानेर से पधारे शास्त्री भैया संदीप,शुभम, आदिश,अक्षत भैया जी तथा ब्रह्मचारी मनीष भैया जी का सम्मान जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई संयोजक उमेश सिघई विपिन सिंघई नवीन ठेकेदार संजीव रवड़ी द्वारा सम्मान किया गया।

पाठशाला परिवार का पंचायत कमेटी ने किया सम्मान: इसके साथ ही पाठशाला के संयोजक आकाश जैन एवम पाठशाला प्रमुख श्रीमती पलक जैन एवम पाठशाला की सभी बहनो रिया जैन (बगुल्या) संचालिका प्रियंका जैन कार्यकारी संचालिका अनामिका जैन उपसंचालिका नैनसी जैन(सांस्कृतिक सचिव), सेजल(शास्त्री जी), श्रृष्टि,प्रिया, चंचल,स्वप्निल,मनीषा,ममता,साधना दीदी,तथा साक्षी दीदी, सचिन नादिया(स्पोर्ट्स टीचर),मोहित बालव्यास शर्मा (कला टीचर)का समाज के पदाधिकारियों द्वारा उनके योगदान को समर कैंप की सफलता का श्रेय देते हुए उनका सम्मान किया।

जैन धर्म के सिद्धांतो को जानकर पालें : कैंप के समापन मे अक्षत भैया द्वारा सभी बच्चों को नियमित पाठशाला आने का महत्व बताते हुए जीवन को संस्कारित कर जैन धर्म के सिद्धांतों को पालन करने की सीख दी गई।समापन मे पाठशाला के बच्चों द्वारा जैन भवन कैंपस में सभी अतिथियों के साथ दिव्य घोष बजाकर मां जिनवाणी को सिर पर रखकर सम्मान देते हुए जुलूस निकाल गया।

वरिष्ठ नागरिक मंच का 51 सदस्यीय एक दल विदेश यात्रा पर रवाना

भीलवाड़ा. कासं। भारत माता की जय, वंदेमातरम,जय श्री राम और चारभुजानाथ की जय के जयकारों के साथ वरिष्ठ नागरिक मंच का 51 सदस्यीय एक दल सुबोध बाहेती,श्री लाल कोगटा और मूलचंद बाफना के सानिध्य में सिंगापुर मलेशिया और थाईलैंड की 13 दिवसीय यात्रा हेतु आज वरिष्ठ नागरिक भवन से रवाना हुआ।कार्यक्रम प्रभारी अरुण आचार्य और रामपाल शर्मा ने बताया कि इस यात्रा में सदस्य कुआलालमपुर,क्रूज ,पटाया, बैंकाक,सफारी वर्ल्ड,मरीन पार्क आदि का आनंद लेंगे।मंच अध्यक्ष मदन खटोड़ ने सभी यात्रियों को शुभकामनाए दी।सभी जाने वालो का तिलक माला उपरना ओर गुड़ धनिया से अभिनंदन किया गया।संचालन संयुक्त सचिव कैलाश चंद्र सोमानी ने किया। इस अवसर पर महेश खंडेलवाल,भवानी शंकर शर्मा,उमाशंकर शर्मा,राजकुमार अजमेरा, राजकुमार पाटनी,डा महेश कुमार शर्मा,योगेंद्र सक्सेना,कैलाश सामरिया,ओम प्रकाश लड्ढा,ओम प्रकाश मालू,महिला प्रमुख वीणा खटोड़,उषा अग्रवाल,कुमुद सक्सेना,अंजू सोमानी आदि उपस्थित थे। **-मदन खटोड़, अध्यक्ष**

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई के पदाधिकारियों ने किया पौधरोपण

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद से दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई द्वारा सहस्त्र कूट विज्ञा तीर्थ गुन्सी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व ग्रुप सदस्यों ने भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना के साथ किया। पौधारोपण कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष महावीर प्रसाद पराणा सचिव विमल जौंला कोषाध्यक्ष हितेश छाबड़ा सुनील भाणजा सुनीता नरेश बड़ागांव पदम टोंग्या राकेश संधी मुकेश बनेठा पुनीत संधी त्रिलोक रजवास विमल सोगानी संजय सोगानी पवन सांवलिया आदि ग्रुप के पदाधिकारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम के पश्चात आर्यिका माताजी ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए ऐसे पुनीत कार्य करने के लिए आशीर्वाद प्रदान किया।

वेद ज्ञान

निस्पृह भाव...

भ्रम कभी-कभी इतने घर कर जाते हैं कि मनुष्य किसी प्रश्न और तर्क के बगैर उन्हें सत्य मान लेता है। ऐसी बहुत सी निर्मूल अवधारणाएं हैं, जिन्होंने उसे सदियों से घेर रखा है। जैसे यह मान लिया गया है कि इच्छाएं स्वाभाविक हैं। यदि इच्छाएं न हों, तो मनुष्य की प्रगति रुक जाएगी। उसे प्रेरित किया जाता है कि वह सपने देखे। बड़ी कल्पनाएं करे। भौतिकता ने इस प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया है। कुछ पाने को आगे बढ़ना मान लिया गया है। अपनी पात्रता को न देख लोग आसपास के लोगों से होड़ कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति के केंद्र में जो आदर्श पुरुष दिखता है, उसका प्रमुख गुण इच्छाओं से रहित होना है। इच्छाएं विकारों की जननी हैं और पाप कर्मों की ओर ले जाने वाली हैं। जब मनुष्य इच्छाओं से मुक्त होगा, तभी वह अपने स्व को जान सकेगा और वास्तविक जीवन कर्म कर सकेगा। एक प्रमुख समस्या यह है कि मनुष्य के अधिकांश कर्म दूसरों को प्रभावित करने के लिए हैं। एक पुष्प किसी बाग में, पगदंडी पर वन अथवा पर्वत पर खिले उसके रंग, सौन्दर्य और सुगंध में कोई अंतर नहीं होता। मोर का नृत्य अपने मन की तरंग है। उसे कोई अंतर नहीं पड़ता कि कोई देख रहा है अथवा नहीं। पुष्प और मोर ने स्वयं को पहचान लिया है और ईश्वर प्रदत्त गुणों के अनुसार कर्म किए जा रहे हैं। मनुष्य का व्यवहार स्थिति और समय के अनुसार होता है। उसे बोध ही नहीं कि परमात्मा ने उसे सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ जीव के रूप में क्यों रचा है। समय-समय पर अवतरित हुए महापुरुषों ने उसे जाग्रत और सचेत करने के उपाय किए, उनकी शिक्षाओं पर चल कर किसी का भी जीवन सफल हो जाता। मनुष्य ने उन महान पुरुषों की पूजा तो आरंभ कर दी, किंतु उनके उपदेशों को ताक पर रख दिया था। सारे धर्म ग्रन्थों, धर्म पुरुषों द्वारा स्थापित मूल्यों का एक ही सार है अपने जीवन के उद्देश्य को पहचानना और मन को शुद्ध कर उसे अर्जित करना। मनुष्य के अंगों की सफलता परमात्मा को पाने और उसमें अभेद हो जाने में है। उसके कर्मों की श्रेष्ठता परमात्मा की दृष्टि में ग्रा होने पर आश्रित है। वह परमात्मा के प्रति उत्तरदायी है। इसके लिए संसार के मोह को त्यागकर संसार में रहना होगा। आत्म को विस्मृत कर परमात्म भाव में जीना होगा। इच्छारहित होकर अपने गुणों से समाज को लाभान्वित करना एक सुंदर सुगन्धित पुष्प और मुक्त नृत्य करता मोर बनना है, जिसे देख किसी का भी मन मोहित हो जाए।

संपादकीय

अभी तक मणिपुर में खूनी संघर्ष समाप्त नहीं हो पाया

एक वर्ष से अधिक समय बीत गया, मगर अभी तक मणिपुर में खूनी संघर्ष समाप्त नहीं हो पाया है। शुरू से ही वहां शांति बहाली के प्रयास शिथिल नजर आते हैं। प्रशासन और सुरक्षाबलों ने इच्छाशक्ति दिखाई होती, तो बहुत पहले इस समस्या का समाधान निकल गया होता। मगर उनकी भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। इसी का नतीजा है कि सोमवार को उपद्रवियों ने घात लगा कर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के काफिले पर हमला कर दिया।

गनीमत है कि उसमें सिर्फ एक सिपाही घायल हुआ, कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। इससे वहां के उपद्रवियों के हौसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि इतने लंबे समय से वहां अशांति का वातावरण है, मगर उसे हल करने की कोशिश नहीं की गई। इसे प्रथमिकता में रखते हुए शांति बहाली का प्रयास किया जाना चाहिए। पिछले दस वर्षों से वहां शांति का वातावरण था। हालांकि भागवत ने भी इस मामले में बयान देने में काफी वक्त लगा दिया। इसे लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठाते रहे हैं। संसद में भी प्रश्न पूछे गए, मगर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिल सका। अभी तक पूछा जाता है कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री क्यों खामोश हैं। मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष, एक भ्रमपूर्ण बयान की वजह से भड़क उठा था। हालांकि अब वहां की अदालत खुद इस संभावना को खारिज कर चुकी है कि मैतेई समुदाय के लोगों को जनजातीय समुदाय का दर्जा दिया जाना चाहिए। मगर न तो राज्य और न केंद्र सरकार मणिपुर के खूनी संघर्ष को रोक पाई है। शुरू में जरूर केंद्रीय गृहमंत्री वहां गए थे, मगर फिर कोई उल्लेखनीय कार्रवाई नहीं हो सकी। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच और कार्रवाई के लिए समितियां गठित कर दी, मगर उसका भी कोई नतीजा नजर नहीं आ रहा। पिछले वर्ष मई में शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक सवा दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने, चार सौ से अधिक लोगों के घायल होने, हजारों घरों के जलाए जाने और साठ हजार से अधिक लोगों के विस्थापित होकर राहत शिविरों में शरण लेने के तथ्य उजागर हैं। सरकारों को अब यह बहाना जरूर मिल गया है कि मणिपुर के संघर्ष को रोकने की कार्रवाई सर्वोच्च अदालत की निगरानी में चल रही है, इसलिए वे इसमें बहुत हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। मगर यह उनका अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेने का एक और तरीका है। यह समझना मुश्किल है कि कैसे कोई भी कल्याणकारी सरकार अपने नागरिकों को इस तरह मारकाट करते देखती रह सकती है। राज्य सरकार तो इस मामले में शुरू से नाकाम साबित हुई है, मगर केंद्र सरकार ने इस पर अपेक्षित गंभीरता क्यों नहीं दिखाई, समझ से परे है। जिस तरह वहां महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया, उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, उससे पूरी दुनिया में देश की छवि खराब हुई। -**राकेश जैन** गोदिका

परिदृश्य

कचरा प्रबंधन

जब भी शहरी क्षेत्रों में कूड़ा प्रबंधन से जुड़ी बात होती है, तो दो बड़ी चिंताएं सामने आती हैं- म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू) और दूसरा सीवेज। हालांकि शहरी क्षेत्रों में और भी तरह का कूड़ा चिंता का सबब है, जैसे इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट, निर्माण कार्यों से निकलता मलबा, अस्पताल या बायोमेडिकल वेस्ट और प्लास्टिक वेस्ट। शहरों में कूड़े का कुप्रबंधन न सिर्फ पर्यावरण प्रदूषण पैदा कर रहा है बल्कि इससे मानवजनित ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) का उत्सर्जन भी बढ़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक भारत के शहर हर साल 58 मिलियन टन कूड़ा पैदा करते हैं। जिस गति से कूड़ा बढ़ रहा है, अनुमान के मुताबिक साल 2030 तक यह 165 मिलियन टन और 2050 तक 436 मिलियन टन तक पहुंच जाएगा। हालांकि जब से स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत हुई है, शहरों में ठोस अपशिष्ट के ट्रीटमेंट की क्षमता 26 हजार टन प्रतिदिन (18%) से बढ़कर 1 लाख टन प्रतिदिन (70%) तक पहुंच गई है। शहरी क्षेत्रों में कूड़ा प्रबंधन और इसके निष्पादन में सुधार हुआ है, लेकिन कूड़े को यहां-वहां फेंककर कूड़ाघर बना देने का हमारा इतिहास रहा है, जहां हर तरह का कूड़ा फेंक दिया जाता है। इससे मिट्टी, भूजल प्रदूषित होता है, ऐसे कूड़े के ढेर में आग लगने से मीथेन निकलती है, जिससे जीएचजी लेवल बढ़ता है। शहरों में प्लास्टिक की पैकेजिंग भी बड़ी समस्या है। ये दुनियाभर में गंभीर है और प्लास्टिक कूड़ा नदियों में मिलकर समुद्र को दूषित कर रहा है। यूएनईपी के मुताबिक हर सेकंड, करीब एक ट्रक प्लास्टिक समुद्र में मिल रहा है। अगर इस पर काबू नहीं किया गया तो 2050 तक समुद्री कूड़ा मछलियों से ज्यादा हो जाएगा। सीवेज की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार (2020-21) शहरी क्षेत्रों में 72,368 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) सीवेज निकलता है, जबकि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की मौजूदा क्षमता 36,842 एमएलडी ही है। हालांकि इनकी असल कार्यक्षमता और कम है। जितना भी सीवेज निकलता है, उसके 28 फीसदी का ही ट्रीटमेंट हो पाता है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से भी कीचड़ निकलता है, इसका भी विधिवत निपटारा जरूरी है और ज्यादातर शहरों में इसके लिए आधारभूत ढांचा नहीं है। गैरनिष्पादित सीवेज के जमीन पर या पानी में मिलने से ये प्रदूषित हो रहे हैं। इस विषय पर नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि सीवेज के ट्रीटमेंट की कमी के कारण भारत में जल-जनित बीमारियों के इलाज में 15 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च होते हैं। ज्यादातर शहर इस तरह की सीवेज ट्रीटमेंट सुविधाएं इसलिए नहीं जुटा पा रहे हैं क्योंकि इनके निर्माण के साथ, संचालन और प्रबंधन में बहुत पूंजी लगती है और अधिकांश सीवेज प्लांट्स को चलाने में बिजली भी बहुत ज्यादा खर्च होती है। इसलिए ये जरूरी है कि शहर और कस्बे मिलकर, घनी आबादी वाले इलाकों के लिए केंद्रीकृत सीवेज सुविधा और ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण करें। वहीं जहां आबादी कम है, वहां सोर्स ट्रीटमेंट सुविधाओं (जैसे रूट जोन सिस्टम) को विकेंद्रीकृत करें। सूरत इसका उदाहरण है, जो सीवेज को ट्रीट करके इंडस्ट्रीज को बेचकर हर साल 150 करोड़ रु. कमाता है। द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (टेरी) अपनी 50वीं वर्षगांठ बना रहा है। पर्यावरण से जुड़े ऐसे कई मुद्दों से निपटने के लिए टेरी ने स्थानीय सरकारों के साथ मिलकर कई कदम उठाए हैं। इसमें जीआईजी की मदद से पणजी में शुरू हुआ शॉप विद योर वेस्ट अभियान शामिल है, जहां कुछ किराना स्टोर किराने के बदले में रिसाइकिल योग्य कूड़ा लेते हैं।

प्रकृति कभी भेद भाव नहीं करती समान रूप से अपनी ममता लुटाती चली जाती है : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

अशोक नगर जैन समाज ने किया पाद प्रक्षालन। थूवोनजी कमेटी के साथ अशोक नगर समाज ने किया चातुर्मास का निवेदन

पथरिया. शाबाश इंडिया

प्रकृति कभी सृष्टि की वद्दुये नहीं लेती प्रकृति जव विद्रूप होती है तो आकाल अतिवृष्टि तूफान चक्रवात और नाना प्रकार की आपदाएं आने लगती है तो जनता उसे वद्दुआ देने लगती है उसके परिणाम स्वरूप प्रकृति अपनी ममता वात्सल्य भी लुटाने लगती है अपने वैभव से अच्छादित कर देती है घर के मुखिया का दुनिया की कोई भी शक्ति कुछ नहीं बिगाड़ा सकती यदि बिगाड़ सकती है तो उस मुखिया के अधीन रहने वाले परिवार की बद्दुआये। भगवान को भी बद्दुआ लगती है किसी भगवान की नही, भक्त की। गुरु को भी बद्दुआ लगती है तो गुरु के खुद के शिष्य की। अधीनस्थ व्यक्ति की बद्दुआ बहुत खतरनाक होती है उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने पथरिया में विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस वर्ष चातुर्मास थूवोनजी में हो ऐसा निवेदन लेकर आये हैं : विजय धुर्रा

इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष नगर जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई सहित सभी शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शालू भारत सहित सभी भक्त एक स्वर में निवेदन लेकर आये है कि इस वर्ष चातुर्मास का सौभाग्य दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी को मिले।

इस दौरान मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर निवेदन

अशोक नगर जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा थूवोनजी कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर राजीवचन्देरी मन्दिर संयोजक मनोज रन्नौद मनीष सिघई रोहित सिंघई मनीष वरखेड़ा थूवोनजी के शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शालू भारत गौरव टिंगू मिल शैलेन्द्र दददा महेश घमंडी मनोज भैसरवास युवा वर्ग अध्यक्ष सुलभ अखाई पवन वर्तन सचिन एन एस सहित अन्य भक्तों ने किया ।

अशोक नगर जैन समाज को प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ

इसके पहले अशोक नगर जैन समाज एवं दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी खोजा खेड़ी दमोह पहुंची एवं परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर थूवोनजी में चातुर्मास करने का निवेदन किया इस दौरान शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शालू भारत सहित अन्य भक्तों को पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ शाम को परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ ने पथरिया की ओर विहार करते हुए नगर प्रवेश किया इस दौरान दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अशोक नगर जैन समाज ने मंगल विहार में सहभागिता की

> माँ उसे कहते हैं जो अपने लिए नहीं, संतान के लिए सब कुछ करती है। प्रकृति भी एक ऐसी स्वभाविक रूप से माँ के रूप में प्रस्तुत है जो सदा समस्त जीवों को कुछ न कुछ रूप में उपकार करती है। हवाएं चलती हैं, पानी बरसता है तो जीव जीवित रहता है, यानी प्रकृति का कोई न कोई परिणमन कंही न कंही से जीव पर उपकार करता है। वह अपनी संतान के प्रति पक्षपात नहीं करती, करती है तो दोष माना जाता है जो प्रजा पालक हो या घर के पालक, कोई भी हो उनकी स्थिति इतनी निष्पक्ष होना चाहिए कि कोई भी ये न महसूस करे कि मेरे पास कम है इसके पास ज्यादा। यदि ऐसा महसूस होता है तो फिर बहुत बड़ा अभिशाप उस मातृशक्ति को लगता है।

मां संतान के लिए सब कुछ करती है

उन्होंने कहा कि माँ उसे कहते हैं जो अपने लिए नहीं, संतान के लिए सब कुछ करती है। प्रकृति भी एक ऐसी स्वभाविक रूप से माँ के रूप में प्रस्तुत है जो सदा समस्त जीवों को कुछ न कुछ रूप में उपकार करती है। हवाएं चलती हैं, पानी बरसता है तो जीव जीवित रहता है, यानी प्रकृति का कोई न कोई परिणमन कंही न कंही से जीव पर उपकार करता है। वह अपनी संतान के प्रति पक्षपात नहीं करती, करती है तो दोष माना जाता है जो प्रजा पालक हो या घर के पालक, कोई भी हो उनकी स्थिति इतनी निष्पक्ष होना चाहिए कि कोई भी ये न महसूस करे कि मेरे पास कम है इसके पास ज्यादा। यदि ऐसा महसूस होता है तो फिर बहुत बड़ा अभिशाप उस मातृशक्ति को लगता है। मातृशक्ति को कोई अभिशप्त नही कर सकता, मातृशक्ति को कोई अभिशप्त करता है तो उसका बेटा ही। राजा का विनाश शस्त्र से नही, अपने अधीनस्थ प्रजा के दुःख से, आंसुओ से होता है।

जिस ढंग की हमें उपादान शक्ति जगाना है तो उस ढंग के हमें निमित्त तैयार करना होगा

उन्होंने कहा कि जिस ढंग की हमें उपादान शक्ति जगाना है उस ढंग का निमित्त तैयार करना होगा हमें सच्चा श्रद्धान चाहिए तो हमे सच्चा भगवान चाहिए, सच्चे भगवान का निमित्त मिले बिना हमारे उपादान में सोया हुआ सम्यकदर्शन कभी जाग ही नही सकता आपको दुःख का अनुभव तो हो गया कि मैं दुःखी हूँ और आप सुखी होने की भावना कर रहे है तो आप कभी सुखी नही होगे। आपको सबसे पहले देखना है कि जिस बात से मैं दुःखी हूँ और जो सुख मैं चाहता हूँ, संसार मे वो सुखी कौन है। भगवान के पास इसलिए मत जाओ कि वह हमारा दुःख मेंट देगा, मन्दिर इसलिए जाओ कि संसार का सबसे सुखी आदमी मेरे मंदिर में वेदी पर बैठा है।

प्रतिभा को निखारने उसे सम्मानित करना आवश्यक : अंजली जैन

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। श्री आदिनाथ महिला मंडल द्वारा जैन समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए सत्र 2023 एवं 24 में कक्षा 10 एवं 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले बच्चों का सम्मान समारोह श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित किया गया नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजली जिनेश जैन ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया आयोजित कार्यक्रम में 20 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र,मेडल एवं शैक्षणिक सामग्री भेंटकर सम्मानित किया गया इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अजंली जैन ने सभी मेधावियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें आज गर्व का अनुभव हो रहा है, कि वह समाज की उन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं से मिल रही हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है उन्होंने कहा शिखर पर जाने के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य होना चाहिए,,जीवन में कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता हैं साथ ही शिक्षा से जीवन की सभी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को बताया कि यह सफलता जीवन की प्रारंभिक सीढ़ी है। जीवन की प्रत्येक सीढ़ी पर आपको चुनौतियां मिलेंगी, जिन पर आपको अपने विवेक और बुद्धि के बल पर विजय प्राप्त करनी होगी। उन्होंने कहा न तो मेहनत का कोई विकल्प होता है और न ही कोई शॉर्ट कट कभी हमें स्थायी सफलता की ओर ले जाता है। इसलिए हमें विकल्प रहित संकल्प लेकर लगातार मेहनत करनी है। श्री मती जैन ने कहा प्रश्न पत्र के माध्यम से ही जीवन में हमेशा परीक्षा नहीं आती। कई बार ऐसी चुनौतियां आती हैं, जिनका समाधान अपनी पूरी बुद्धि विवेक लगाकर ही किया जा सकता है। कार्य करने का अवसर जिस भी क्षेत्र में मिले उस क्षेत्र में लीडर की भूमिका में कार्य करें, उस कार्य के प्रति अपना सर्वश्रेष्ठ दें। उन्होंने कहा चुनौतियों का धैर्यपूर्वक सामना करते हुए अपने पुरुषार्थ के बल पर मंजिल प्राप्त करना ही वास्तविक सफलता है इस दौरान श्रीमती ऊषा भंडारी ने कहा कि प्रतिभा को प्रमाण पत्रों की आवश्यकता नहीं होती है प्रतिभा तो स्वयं प्रमाणित होती है किंतु व्यवहार जगत में प्रतिभाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें सम्मानित करना आवश्यक है ऐसी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने के लिए हमने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है जिसमें लगभग 20 छात्र छात्राओं को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में अव्वल स्थान प्राप्त करने के लिए उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान देकर सम्मानित किया गया है।आयोजन में अनन्या जैन,तनिश जैन,सारा जैन,आयुषी जैन,योगिंद्र जैन,परी जैन,स्वाति जैन,गुनगुन जैन,सहित कृति जैन,लवी जैन,आदित्य जैन,अपूर्वा जैन, पायल जैन,प्रिंसी जैन,खुसी जैन,अरिहंत जैन,स्तुति जैन,खुशबू जैन,आर्यन जैन,श्रुति जैन, का सम्मान किया गया वहीं आयोजन में श्रीमती अंजलि जैन, श्रीमती मालती जैन, श्रीमती मीना जैन, श्रीमती गुड्डी जैन,श्रीमती शकुंतला जैन, श्रीमती बबीता जैन,श्रीमती मीना जैन विकल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

कवि डी के जैन मित्तल (टीवी फेम) काव्य महाकुंभ 2024 मथुरा में 15 जून को करेंगे काव्य पाठ

कामां. शाबाश इंडिया। सारथी परिवार द्वारा आयोजित 13 से 15 जून तीन दिवसीय काव्य महाकुंभ 2024 मथुरा उत्तर प्रदेश में हो रहा है। जिसमें देश भर के कोने कोने से चयनित 200 से अधिक कवि कवयित्रियों को काव्य पाठ का अवसर मिलेगा। इस काव्य महा कुंभ में 15 जून 2024 को ब्रज नगरी कामां (कामवन) राजस्थान के कवि डी के जैन मित्तल भी अपना काव्य पाठ करेंगे। ज्ञात रहे कवि डी के जैन मित्तल देश के एक प्रसिद्ध युवा कवि और काव्य के क्षेत्र में एक चमकता हुआ नाम हैं जो कि एक विश्व प्रसिद्ध टीवी चैनल शेमारू पर भी काव्यपाठ कर पूरे कामां और भरतपुर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कर चुके हैं। इसके अलावा देश के बड़े बड़े मंचों पर काव्यपाठ कर अंतरराष्ट्रीय कवियों से सम्मानित हो चुके हैं। इनकी प्रेम की कविताएं लोगों के दिल में सीधी उतरती हैं, जो कि लोग बहुत पसंद करते हैं। इनकी कविताएं भी कई साझा संकलनों में प्रकाशित होने के साथ साथ समय समय पर पत्रिकाओं, समाचार पत्रों में प्रकाशित होती रहती हैं। कवि डी के जैन मित्तल के प्रशंसकों, शुभचिंतकों, समाज, राजनीति, साहित्य से जुड़े लोगों ने इनको शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

गुदड़ी मंसूर खां जैन मन्दिर में हुआ चौसठ रिद्धि विधान का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया। 12 जून को गुदड़ी मन्सूर खां स्थित सेठ श्री किशन बिहारीलाल जैन धर्मशाला के श्री शीतल दिगम्बर जैन मन्दिर में संस्कार प्रणेता आचार्य श्री सौरभसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से चौसठ रिद्धि महामण्डल विधान एवं चौसठ चंबर स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों ने सर्वप्रथम प्रभु का स्वर्ण कलशों से अभिषेक एवं शांतिधारा की। भक्तों ने विधानाचार्यश्री सौरभ जैन शास्त्री एवं रवीन्द्र जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष मांडले पर अर्ध्य अर्पित कर चौसठ रिद्धि विधान की मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न कीं। इसके बाद सौभाग्यशाली भक्तों ने मूलनायक भगवान शीतलनाथ की प्रतिमा की वेदी पर 64 चंबर स्थापित किए गए। इस अवसर पर सुभाष जैन,वीरेन्द्र जैन,नरेश जैन, राकेश जैन पार्षद,सुरेशचंद जैन, प्रमोद जैन,रविन्द्र जैन,सुशीला जैन,सुनीता जैन,शशि जैन,पूनम जैन समस्त गुदड़ी मसूर खां जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। -रिपोर्ट शुभम जैन

मालवीय नगर में हुआ गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का मालवीय नगर जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ । पीले वस्त्रों में महिलाएं अपने सिर पर पीले फूलों से सजे कलश को लेकर चल रही थी । पीछे - पीछे पुरुष वर्ग व बच्चे झूमते हुए चल रहे थे । माताजी ससंघ का गाजे - बाजे के साथ मंगल प्रवेश करवाकर सबके चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। माताजी ससंघ ने प्रभु के दर्शन किये। तत्पश्चात माताजी के मुखारविंद से शांतिधारा सम्पन्न हुई । सिद्धार्थ नगर से पधारे हुए अतिथियों का स्वागत सम्मान हुआ। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - गृहस्थ से गृहस्थ मिलता है तो महफिल बनती है। श्रावक से श्रावक मिलता है तो मेला लगता है लेकिन सन्त से श्रावक मिलता है तो वहाँ मंगल ही मंगल होता है । साधु और श्रावक का संबंध नीम और चीनी जैसा है। जैसे चीनी के साथ नीम मिल जाये तो नीम को भी मीठा कर देती है। लेकिन नीम चीनी में मिल जाये तो फिर चीनी को भी कड़वा कर सकती है। इसलिए साधु चीनी है श्रावक नीम की तरह है

। यदि साधु रूपी चीनी में नीम रूपी श्रावक मिल जाये तो ज्ञान रूपी जल पीकर वे अपनी आत्मा पर चढ़े कर्मों को दूर कर सकते हैं। पूज्य माताजी ससंघ की आहारचर्या कराने का अवसर जितेंद्र जी जैन मालवीय नगर वालों ने प्राप्त किया । प्रथम बार साधु की चर्या करवाकर परिवार में हर्ष का माहौल बन गया ।

गेहूं आवंटन के लिए करना होगा इंतजार

जयपुर. कासं

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद देशभर में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) से जुड़े परिवारों की केवाईसी का काम शुरू हो गया। इसके चलते प्रदेश में कई राशन डीलरों ने अभी तक राशन का गेहूं बांटना शुरू कर नहीं किया है। केवाईसी जिन राशन डीलरों के यहां पूरी हो गई है। वहां गेहूं वितरण शुरू हो गया, जबकि जहां पूरा नहीं हुआ है, वहां अभी केवाईसी का काम चल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अभी सबसे ज्यादा केवाईसी कोटा जिले में हुई है, जबकि सबसे कम बाड़मेर जिले में। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में लगी रिट पिटीशन पर मार्च में आदेश देते हुए सभी राज्यों को कोर्ट ने 15 जुलाई तक केवाईसी का काम पूरा करके शपथ पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सूत्रों के मुताबिक इस पिटीशन में कहा गया था कि कई ऐसे परिवार या सदस्य है जिनकी कोरोना में मृत्यु हो गई और उनका रिकॉर्ड या नाम अब तक इस सूची में शामिल है। इस कारण नए नाम इस सूची में जुड़ नहीं पा रहे। अब तक 37 फीसदी की केवाईसी खाद्य विभाग से मिली एक रिपोर्ट के मुताबिक 1.07 करोड़ परिवार के 4.36 करोड़ लोग (यूनिट्स) है, जिनका नाम एनएफएसए की सूची में जुड़ा है। इनमें से करीब 37 फीसदी यूनिट्स की केवाआईसी पूरी हो चुकी है। जिलेवार रिपोर्ट देखे तो कोटा में 61.25 फीसदी, जबकि बाड़मेर में सबसे कम 20.04 फीसदी लोगों की ही केवाईसी हुई है।

जबसे फेरे लिए प्रीत का तेरे साथतुमने मांग सजाया चाँद सितारे डाले, मेरे दामन में खुशियों की कर दी बौछार। मैं भी रंग गयी प्रेम रंग में, ऐसे सुध बुध खोयी भूल बैठी, दुनिया को तुझमें ही दिखे अब मुझे पूरा संसार।

13 जून' 24

Happy Anniversary

डॉ कुमारी रिचा और प्रेम कुमार

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पार्श्वनाथजी सोनियान में प्रवास के लिए श्रीफल भेट कर निवेदन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य 108 आचार्य देशभूषणजी महाराज की परंपरा के अनुयायी और आचार्य श्री 108 वरदत्त सागरजी महाराज के प्रिय शिष्य 108 श्री महिमा सागरजी महाराज ससंघ को आज दिनांक 12 जून को पारसनाथ भवन, नाटाणियो का रास्ता, जयपुर में श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पार्श्वनाथजी सोनियान, खवासजी का रास्ता, जयपुर की मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल दिवान, मंत्री संजय गोधा, सदस्य संतोष छाबड़ा सहित समाज जनो ने मुनि श्री से ससंघ में प्रवास हेतु श्रीफल भेट कर निवेदन किया।

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी

श्री सुनील - श्रीमती उर्मिला टोंग्या

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी के सम्मानित सदस्य

13 जून' 24

94605 76177

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: प्रकाश - लीला अजमेरा
संस्थापक : सुनील - आरती पहाड़िया
सचिव: अध्यक्ष पवन - रीटा पाटनी
एवम जैन सोशल ग्रुप राजधानी परिवार

यश जैन, रितिक जैन एवम
समस्त परिवार जन, मित्रगण,
टोंग्या परिवार भीलवाडा वाले

श्रुत पंचमी पवित्रमती माताजी के संघ सानिध्य में मनाई गई

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। नौगामा नगर में आज परम पूज्य विज्ञान मति माताजी की शिष्या पवित्र मति माताजी के संघ के सानिध्य में श्रुत पंचमी बड़े हर्षोल्लाह के साथ मनाई। प्रातः आदिनाथ मंदिर, भगवान महावीर समवशरण मंदिर जी, सुखोदय तीर्थ नसिया जी में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात श्री जी को गाजो बाजो के साथ पंडाल में लाया गया जहां पर बड़े भक्ति भाव से वाद्य यंत्रों की मधुर स्वरों के साथ परम पूज पवित्र मति माताजी के मुखारविंद से विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया अभिषेक की पश्चात श्रुत पंचमी की पूजन विधान का आयोजन किया गया। विधान के मुख्य पात्र सो धर्म इंद्र पंचोरी अमृतलाल पन्नालाल कुबेर इंद्र रतनलाल मीठालाल महानायक दीपक अमृतसर , व तुभम प्रदीप, पंचोरी गांधी सुमति देवी रमेश चंद्र गीतांश विपुल, पंचोरी शिवानी कमल नानावती ईश्ववा अमित, पंचोरी हेमलता सुभाष चंद्र द्वारा मंगल कलश स्थापित किए गए दीप प्रज्वलित पंचोली आगम मौलिक संदीप करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इंद्र के रूप में अनिता बेन रमलाल , पंचोली के सीमा चंपालाल को सौभाग्य प्राप्त हुआ इस अवसर पर मंडला बनाकर सभी इंद्र इंद्राणियों ने शुद्ध पंचमी के अथ चढ़ाऐ, एवं महाअर्ग बालिका मंडल पंचोली सुलोचना बेन दोसी नानावटी कुसुम लता सुभाष चंद्र क्रिया कौशिक बागीदौरा, व प्रसिद्ध गायकर कल्पेश जी और पार्टी के मधुर स्वरों के साथ नृत्य ज्ञान करते हुए विधान मैं धर्म प्रेमी बंधुओ ने लाभ लिया इस अवसर पर सांगानेर संस्थान से पधारे दीपेश शास्त्री पीयूष शास्त्री का सानिध्य प्राप्त हुआ विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी वीणा दीदी के दिशा निर्देशन में श्रुति पंचमी विधान का आयोजन हुआ उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

राजस्थान विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड में दिख रहा बदलाव, किए जा रहे नवाचार

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड में कई नवाचार देखने को मिल रहे है। कहते है उच्चतम स्तर की मेहनत,समर्पण और उत्कृष्टता की ऊर्जा को जगाने का कारगर माध्यम है जुनून.जिससे बदलाव लाया जा सकता है इसी को साबित कर रही स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ प्रीति शर्मा। खेलो इंडिया व ऑल इंडिया, वेस्ट जोन टूर्नामेंट में मेडल खेलो इंडिया में 65 विद्यार्थियों ने कई खेलों के मेडल प्राप्त किए साथ ही राजस्थान विश्वविद्यालय में वेस्ट जोन बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी की जिसमें गोल्ड मेडल, ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में सिल्वर मेडल, बॉक्सिंग गोल्ड मेडल,बॉक्सिंग, जूडो,शूटिंग अन्य खेलों में मेडल जीते है। स्पोर्ट्स बोर्ड में विजिटर रजिस्टर से लेकर फीडबैक बॉक्स व स्पोर्ट्स गतिविधियां. हालि में पहली बार स्पोर्ट्स समर कैंप का आयोजन करवाया गया साथ ही डोपिंग को लेकर स्पेशल लेक्चर आयोजित करवाया गया. जिसमें स्पोर्ट्स के विद्यार्थियों व स्पोर्ट्स कोटा राजस्थान पुलिस के जवानों ने भाग लिया.साथ ही न्यू एजुकेशन पॉलिसी में स्पोर्ट्स की उपयोगिता को लेकर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन करवाया गया। स्पोर्ट्स बोर्ड के स्टाफ के सहयोग से आयोजन हुए। स्पोर्ट्स बोर्ड में इंटरनेशनल प्लेयर अर्जुन अवॉर्डी,ओलंपियन,खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़,गोपाल सैनी एनसीईआरटी दिल्ली मेंबर,नाड़ा टीम एक्सपर्ट, आईआईटी जोधपुर फैकल्टी स्पोर्ट्स बोर्ड की गतिविधियों को सहराया गया हैं।

आगे कई कार्यक्रम की रूपरेखा...

जल योग व जीरो वेस्ट,नो यूज प्लास्टिक कार्यक्रम,ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट करवाने को लेकर व एथलीट कोच द्वारा ट्रेनिंग,स्पोर्ट्स में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस,सेल्फ डिफेंस शिविर, स्पोर्ट्स बोर्ड का एलुमनी एसोसिएशन मेडिटेशन सेशन व स्पोर्ट्स बोर्ड स्टार्स मीट साथ ही सर्टिफिकेट कोर्स जैसे कार्य होंगे.साथ ही स्पोर्ट्स टूर व बड़े स्पोर्ट्स टूर्नामेंट की स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। जिससे विद्यार्थियों संस्थान व देश का नाम रोशन कर सके। डॉ प्रीति का शुरू से रहा एकेडमिक फोकस, स्पोर्ट्स में पीएचडी के साथ पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि सेंट्रल यूनिवर्सिटी बीएचयू व एलएनआईपीई ग्वालियर अध्ययन किया। जीवाजी विश्वविद्यालय में रिसर्च सेंटर में कार्य किया हुआ है साथ ही नेट जेआरएफ व 21 से अधिक रिसर्च आर्टिकल नेशनल व इंटरनेशन स्तर पर लिखे हुए हैं. किताब के साथ कई किताबों में चैप्टर लिख चुकी है.कई देश की यात्रा कर चुकीं हैं। आरयू के एचआरडीसी में कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभा चुकीं हैं. कई कांफ्रेंस व स्कूल, कॉलेज में स्पेशल लेक्चर व ट्रेनिंग में अहम भूमिका व इंटर कॉलेज व इंटर यूनिवर्सिटी,वेस्ट जोन टूर्नामेंट करवा चूंकि है। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्च शिक्षा विभाग एमपी में स्पेशल लेक्चर दे चुकीं हैं।

वरिष्ठ पत्रकार सुरेश कासलीवाल को जन्मदिन की बधाई देने वालों का तांता लगा रहा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। समाजसेवी सुरेश कासलीवाल रीजनल इंचार्ज, दैनिक भास्कर, अजमेर को जन्मदिन के अवसर पर आज उनके निवास स्थान पर श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व अजमेर सम्भाग के महामंत्री कमल गंगवाल व महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु के सचिव विजय पांड्या ने माल्यार्पण कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए दी। गंगवाल ने बताया कि आज सुबह से ही श्री कासलीवाल को राजनीतिक व सामाजिक व्यापारिक संघटनो ने बधाइयां दी इस दौरान माल्यार्पण कर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा ।

सार्वजनिक प्याऊ का किया शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। अक्षय पत्र चौराहे स्थित बालाजी टावर-V व्यापार समिति के द्वारा सार्वजनिक प्याऊ स्थापित कर स्थानीय वार्ड पार्षद ममता शर्मा के कर कमल द्वारा शुभारंभ किया। इस अवसर पर अध्यक्ष गोपाल चांदावत, सचिव श्याम सुंदर गुप्ता, समाजसेवी प्रकाश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अभिषेक सांघी, व्यापार समिति के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर के आठवें रोज शिविरार्थियों को आज आयु कर्म के बारे में दी जानकारी

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में सकल जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर में आठवें रोज जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों के द्वारा पंडित विद्वत अंकित जैन के दिशा निर्देश मे अभिषेक, शांतिधारा करने के बाद विद्यमान बीस तीर्थंकरों की पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कर्तव्योदय शिविर के कार्यक्रम में जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों को प्रातः ध्यान योग निर्देशक सत्येन्द्र झंडा, त्रिलोक जैन पीपलू एवं नीरज कुमार झंडा, अक्षिता बजाज, गरिमा जैन केकड़ी के द्वारा ने संयुक्त रूप से विशेष नित्य योग कक्षा, आर्ट कक्षा, एवं डांस कक्षा प्राणायाम सिखायें जा रहें हैं। कार्यक्रम में विद्वत अंकित शास्त्री ने सभी शिविरार्थियों को आयु कर्म के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमें हमेशा अपने परिणामों को निर्मल एवं सहज रखना चाहिए क्योंकि कभी भी आयु कर्म का बन्ध हो सकता है इसलिए सदैव अच्छे परिणाम रखने चाहिए।

ध्यान केंद्र का मनाया द्वितीय लोकार्पण दिवस, युवकों के लिए खेल शिविर का हुआ उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में बड़े बाबा की प्रतिकृति युक्त गणिनी आर्यिका गौरव मति माताजी व गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के पावन सानिध्य में लोकार्पित भव्य ध्यान केंद्र का द्वितीय लोकार्पण दिवस मंगलवार को मनाया गया । प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम बिलाला के अनुसार इस दिन शाम को भगवान आदिनाथ की भक्ति में अड़तालीस दीपक से भक्तामर दीप अर्चना की गई तथा विशेष थाल में अड़तालीस दीपक से ही भगवान आदिनाथ की महाआरती की गई। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन योगेश पाटनी ने किया। जैन युवा मंच के अध्यक्ष अमित शाह ने बताया कि इधर इस शुभ दिन शाम को जैन युवा मंच द्वारा तैयार खेल के स्थान पर युवकों को खेल के साथ धर्म से जोड़ने की भावना के साथ खेल शिविर का शुभारंभ किया गया जिसमे सभी खेलों की व्यवस्था की गई है ।

दिगंबर जैन महासमिति एवं अमर जैन अस्पताल वैशाली नगर जयपुर द्वारा एक टॉक शो का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति द्वारा अमर जैन हॉस्पिटल वैशाली नगर में मेडिकल हेल्थ के अलग-अलग टॉपिक्स को लेकर एक टॉक शो अमर जैन हॉस्पिटल वैशाली नगर के कैबिनेट रूम में आयोजित किया गया था। इस टॉक शो के अंतर्गत डॉ शेखर - सीईओ, के नेतृत्व में पंकज झा - जनरल मैनेजर के साथ निम्न लिखित डॉक्टर से उनके विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। डॉ मनप्रीत सिंह -आर्थोपेडिक , डॉ प्रतीक गर्ग - ईएनटी सर्जन , डॉ विपुल अग्रवाल - मेडिसिन। निर्मल कुमार संघी, राष्ट्रीय संयोजक मेडिकल ने महासमिति के सभी पदाधिकारी का परिचय कराया। तत्पश्चाप सुरेंद्र कुमार पांण्डया एवं अनिल जैन ने महासमिति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रेषित की तथा इस अवसर पर महासमिति के सुरेन्द्र कुमार पांड्या - राष्ट्रीय महामंत्री , नवीन सेन जैन -राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष, अनिल जी जैन आईपीएस - अंचल अध्यक्ष, महावीर जी बाकलीवाल -अंचल महामंत्री , डॉ राजेन्द्र कुमार जैन - राष्ट्रीय सयुँक्त मंत्री , डॉ णमोकार जी जैन , सुनील जी बज, भागचंद जी बाकलीवाल , राजेश बडजात्या तथा विनोद बाकलिवाल की गरिमा मयी उपस्थिति रही। महासमिति के सभी पदाधिकारीयों द्वारा महासमिति की परिचय पुस्तिका अस्पताल को भेंट की गई। श्री महावीर जी बाकलीवाल ने सभी पदाधिकारीयों का एवं अस्पताल का धन्यवाद प्रेषित किया।

भव्य शास्त्र शोभा यात्रा के साथ श्रुत पंचमी महोत्सव पर जैन पाठशाला की मंगल कलश स्थापना हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, गायत्री नगर, महारानी फार्म, दुर्गापुरा में श्रुत पंचमी महोत्सव के पावन अवसर पर 11 जून को साय 7:30 बजे भव्य शास्त्र पालकी शोभायात्रा जिन मंदिर से विभिन्न मार्गो से होते हुए मंदिर जी तक निकाली गई। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबडा ने अवगत कराया की श्रुत पंचमी के अवसर पर मंदिर जी से रजत चांदी की पालकी में शास्त्र विराजमान कर एवं सभी महिला व पुरुषों ने शास्त्र सिर पर विराजमान कर बैंड बाजों, जैन ध्वज के साथ शोभायात्रा निकाली गई उक्त शोभायात्रा में जैन पाठशाला स्थापना के मंगल कलश सुनील- लता सोगानी, उदयभान जैन-अनिता बडजात्या, निर्मल -अनिल गदिया बयाना वाले , बसंत-बीना बाकलीवाल परिवार लेकर शोभायमान हो रहे थे। शोभायात्रा मंदिर जी में पहुंचकर नीचे तलघर में धर्म सभा आयोजित की गई , धर्म सभा में दीप प्रज्जवलन सुनील लता सोगानी ने किया। मंगलाचरण सुनंदा अजमेरा ने व मंगल नृत्य बालिका द्वारा किया गया, तत्पश्चात मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छावड़ा, अरुण शाह, राजेश बोहरा, पदम झांझरी ,संतोष गंगवाल ,संतोष रावंका, अनिल गोधा आदि पदाधिकारियों ने सभी पुण्यार्जक परिवारों का, पं. वीरेन्द्र जैन ,पं. अजीत शास्त्री का स्वागत किया तत्पश्चात मंत्रोच्चारण के साथ जैन पाठशाला के चार कलश पुण्यार्जक परिवारों ने स्थापित किए। मंदिर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष अरुण शाह ने बताया कि गायत्री नगर में जैन पाठशाला की स्थापना हो चुकी है, जिसमें बालक बालिकाओं के साथ सभी के लिए स्वाध्याय कक्षाएं लगेगी , इस अवसर पर पं. वीरेंद्र जैन ने श्रुत पंचमी के बारे में विस्तृत रूप से समझाया, पं. अजीत शास्त्री ने जैन पाठशाला की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जैन पाठशाला का संयोजक मंजू सेवा वाली, अनीता बडजात्या, प्रमिला जैन, किरण बिल्टी वाले को बनाया । कुशल मंच संचालन अरुण शाह द्वारा किया गया ,आभार आलोक शाह द्वारा व्यक्त किया।